Padma Vibhushan



SHRI BABASAHEB ALIAS BALAWANT MORESHWAR PURANDARE

Shri Babasaheb alias Balawant Moreshwar Purandare is a renowned author of Marathi Literature.

2. Born on July 29, 1922 in Pune, Shri Purandare started his carrier as an author at the age of 12 and wrote first novel which is based on the murder of Narayanrao Peshwa and also wrote some poems, which were published in 'Daily Kesari'. He has to his credit 25 books which include many unknown stories from history, history of forts, Shelar Khinda (a historical novel) which was later adapted in a TV serial and a feature film. His book, 'Maharaj', a biographical book has been translated in Hindi, English and Odia. His other work, 'Raja Shivachatrapati' an elaborated biography of Raja Shivaji is being translated in English.

3. Shri Purandare has delivered more than 10000 lectures in India and abroad. He has participated in Goa freedom movement and also received 'Freedom Fighter' award. He collected many manuscripts, artifacts, weapons and historic articles and displayed as a museum in Wishrambatig Wada', Pune. Shri Purandare participated in Central Government's History Research Team formed by Pandit Nehru, after Goa independence. He also participated in research work on 'Shivaji Era' along with Dr. G.H. Kharcat Bikaner history library. He has to his credit 21 CDs which include Biographical lectures on 'Chatrapati Shivaji Maharaj'.

4. Shri Purandare has authored, produced and directed mega Drama 'Janata Raja'. The drama has created a history on Marathi stage with 1250 shows in last 28 years, and still running and getting accolades all over Maharashtra, India and world. The drama has been translated and performed in Hindi and English. He has also founded several NGOs and has been frequently donating to many social organizations. Shri Purandre has guided many artists and Ph.D students.

5. Shri Purandare has been honoured with various honours and awards including 'Shivashahir' by Rajmata Sumitraraje Bhosale; `Punyabhushan', by 'Tridal' Pune and 'Maharashtrabhushan' by Govt. of Maharashtra; 'Kalidas Award' by M.P. Government; 'Jeevan Gaurav' by Chaturang Pratishthan, Mumbai, 'Guru Mahatma' by Dagdusheth Datta Sanshtan etc.

पद्म विभूषण

श्री बाबासाहेब उर्फ बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे



श्री बाबासाहेब ऊर्फ बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे एक मराठी साहित्य के ख्याति प्राप्त लेखक हैं।

2. आपका जन्म 29 जुलाई, 1922 को पुणे में हुआ था। आपने 12 वर्ष की आयु में अपने कॅरियर की शुरूआत की तथा अपने प्रथम उपन्यास की रचना की जो नारायण राव पेशवा की हत्या पर आधारित था तथा आपने कुछ कविताओं की भी रचना की जो 'डेली केसरी' में प्रकाशित हुईं। आपको 25 पुस्तकों को लेखनीबद्ध करने का श्रेय प्राप्त है जिसमें इतिहास, किलों के इतिहास से जुड़ी कई अज्ञात कहानियां तथा सेलर खिंदा नामक (एक ऐतिहासिक उपन्यास) जिस पर बाद में एक टी. वी. धारावाहिक तथा एक फीचर फिल्म भी बनी भी शामिल हैं। आपकी पुस्तक 'महाराजा' जो एक आत्मकथा है, का हिंदी, अंग्रेजी तथा उड़िया भाषा में अनुवाद किया गया है। आपकी अन्य पुस्तकों में 'राजा शिव छत्रपति' शामिल है जो राजा शिवाजी की विस्तृत जीवन वृतान्त है, का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया जा रहा है।

3. श्री पुरंदरे ने भारत तथा विदेश में 10000 से अधिक आख्यान दिए हैं। आपने गोवा स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया तथा आपको 'स्वतंत्रता सेनानी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपने बहुत-सी हस्तलिपियों, विरूपण साक्ष्यों, हथियारों तथा ऐतिहासिक वस्तुओं का संग्रह किया और उन्हें विश्रामबातिग वाडा, पुणे में संग्रहालय के रूप में प्रदर्शित किया गया। आपने गोवा की स्वतंत्रता के पण्डित नेहरू द्वारा गठित केन्द्र सरकार की ऐतिहासिक अनुसंधान दल में भी भाग लिया। आपने डॉक्टर जी. एच. खारकट बीकानेर इतिहास पुस्तकालय के साथ मिलकर 'शिवाजी युग' संबंधी अनुसंधान कार्य में भी भाग लिया। आपने 21 सीडीज तैयार की जिसमें 'छत्रपति शिवाजी महाराज' के जीवन वृतांत संबंधी आख्यान शामिल हैं।

4. आपको को 'जनता राजा' नामक एक बड़े नाटक को लेखनीबद्ध करने तथा उसका निर्माता एवं निर्देशक होने का श्रेय जाता है। इस नाटक ने विगत 28 वर्षों में 1250 शो के साथ मराठी मंच पर इतिहास रच दिया है और इसका अभी भी सफलतापूर्वक मंचन किया जा रहा है और इसे अभी संपूर्ण महाराष्ट्र, भारत तथा विश्व में सराहा जा रहा है। नाटक का हिंदी तथा अंग्रेजी भाषाओं में अनुवाद तथा मंचन किया गया है। आपने विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों की भी स्थापना की और आप अनेक सामाजिक संगठनों में दिल खोलकर दान करते हैं। श्री पुरंदर ने अनेक कलाकारों तथा पी. एच. डी. विद्यार्थियों का सफल मार्गदर्शन किया है।

5. आपको विभिन्न पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित किया है जिसमें राजमाता सुमित्रा राजे भोंसले द्वारा प्रदत्त 'शिवासाहिर' 'ट्राइडल' पुणे द्वारा 'पुण्यभूषण' तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा 'महाराष्ट्र भूषण'; मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 'कालिदास पुरस्कार'; चतुरंग प्रतिष्ठान, मुंबई द्वारा 'जीवन गौरव', डगदूशे दत्ता संस्थान द्वारा 'गुरु महात्मा' सम्मान शामिल हैं।